

## अध्याय 16

**1. प्रथम सवैया में कवि ने राम-सीता के किस प्रसंग का वर्णन किया है?**

**उत्तर:-** प्रथम सवैया में कवि ने राम-सीता के वन-गमन प्रसंग का वर्णन किया है।

---

**2. वन के मार्ग में सीता को होने वाली कठिनाइयों के बारे में लिखो।**

**उत्तर:-** वन के मार्ग में जाते हुए सीता थोड़ी ही देर में थक गई। उनके माथे से पसीना बहने लगा और होंठ सूख गए। वन के मार्ग में चलते-चलते उनके पैरों में काँटे चुभने लगे।

---

**3. सीता की आतुरता देखकर राम की क्या प्रतिक्रिया होती है?**

**उत्तर:-** सीता की आतुरता को देखकर श्रीराम व्याकुल हो उठते हैं। सीता की दशा उनसे देखी नहीं जाती। उनके आँखों से भी आँसू बहने लगते हैं। वे पछताने लगते हैं कि उनके कारण सीता की यह अवस्था हुई है।

---

**4. राम बैठकर देर तक काँटे क्यों निकालते रहे?**

**उत्तर:-** राम से अपनी पत्नी की व्याकुलता देखी नहीं जा रही थी। सीता का प्यास के मारे बुरा हाल था और लक्ष्मण पानी की तलाश में गए हुए थे अतः जब तक लक्ष्मण लौट कर आते हैं तब तक वे सीता की व्याकुलता और कष्ट को कम करना चाहते थे इसलिए राम बैठकर देर तक काँटे निकालते रहे।

---

**5. सवैया के आधार पर बताओ कि दो कदम चलने के बाद सीता का ऐसा हाल क्यों हुआ?**

**उत्तर:-** सीता का जीवन राजमहलों की सुख सुविधाओं में बीता था। उसे कभी इस प्रकार के जीवन के बारे में पता भी न था। अतः वन मार्ग पर चलने का उनका यह पहला अवसर था इसलिए अभ्यस्त न होने के कारण सीता दो कदम चलने के बाद ही थक गई।

---

## 6. 'धरि धीर दए' का आशय क्या है?

**उत्तर:-** प्रस्तुत पंक्ति का आशय धैर्य धारण करने से है। सीता वन मार्ग पर अग्रसर होते हुए, राम का साथ देते हुए, तकलीफों को सहते हुए मन-ही-मन स्वयं को धीरज बँधाकर बड़े ही धैर्य के साथ वन मार्ग पर चल रही थी।

---

## 7. अपनी कल्पना से वन के मार्ग का वर्णन करो।

**उत्तर:-** वन का मार्ग बड़ा ही दुर्गम था। चारों ओर घने और ऊँचें पेड़, कँटीली झाड़ियाँ थी। रास्ता भी उबड़-खाबड़ था जिस पर चलना मुश्किल था। पानी और खाने-पीने के लिए भी खोज करनी पड़ती थी। जंगली जानवरों से भी खतरा था। कुल मिलाकर कहा जाए तो वन का मार्ग असुरक्षा से भरा था।

---

## • भाषा की बात

8. लखि – देखकर धरि – रखकर

पोछि – पोंछकर जानि – जानकर

ऊपर लिखे शब्दों और उनके अर्थ को ध्यान से देखो। हिंदी में जिस उद्देश्य के लिए हम क्रिया में 'कर' जोड़ते हैं, उसी के लिए अवधी में क्रिया में ि (इ) को जोड़ा जाता है, जैसे अवधी में बैठ + ि = बैठि और हिंदी में बैठ + कर = बैठकर। तुम्हारी भाषा या बोली में क्या होता है? अपनी भाषा के ऐसे छह शब्द लिखो। उन्हें ध्यान से देखो और कक्षा में बताओ।

**उत्तर:-** मेरी मातृभाषा गढ़वाली होने के कारण हम क्रिया में 'ले' का प्रयोग करते हैं जैसे – लिखले, पढ़ले, खाले, जाले, खेलले, पीले आदि।